[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 5042 **K**

Unique Paper Code : 2052102301

Name of the Paper : Bhartiya Sahitya

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10+10)

(क) "वे सुधी मतिमान फिर
करके विचार, विकल्प
शिष्य अपने से लगे
कहने स्वयं संकल्प!"

अथवा

"टहरी पर बैठी होगी, पड़े होंगे सामने फूलों के
सहारे गिन रही होगी
अवधि के बाकी महीने
बिताए दिनों के संपर्क-सुख की
यादों का ले रही होगी मन-ही-मन स्वाद
बिछुड़ी प्यारी के यही तो होते हैं।
साधन।"

(ख) "गुरु ने मुझसे कह दिया यही तो एक वचन
तू बाहर से आकर प्रवेश करले भीतर
मेरी निष्ठा, मेरा आदेश गया यह बन
बस तब से ही तो मैं नाची निर्वसन-नगन"

अथवा

"लोभ लहरि अति नीझर बाजै, काइआ डूबै केसवा।।1।।
संसारु समुन्दे तारि गोविन्दे। तारिले बाप बीठला।।
अनिल बेड़ा हउ खैवि न साकउ। तेरा पारु न पाइआ बीठुला।।2।।
होहु दइआलु संति गुरु मेलि तू। मोकउ पारि उतारे केसवा।।3।।
नामा कहे हउ तरिभी न जानउ। मोकउ बाह देहि बाह देहि बीठुला।।4।।"

(ग) "मैले-से-ढीले-ढाले कपड़े पहने, सिर पर पगड़ी बाँधे, पीठ पर झोली लिए, हाथों में अंगूरों के दो-चार बक्स लिए एक लम्बा काबुलीवाला सड़क पर धीरे-धीरे जा रहा था - उसे देखकर मेरी कन्या रतन के मन में कैसे भाव उठे, कहना कठिन है।"

अथवा

"चलल कौशिक साधिये काम। पाचु पाचु चलल लक्ष्मण राम।।
देलहु धनुक दिव्य बाणा। लक्ष्मण राम पेखहि सब जाना।।
आश्रम याइते ऋषिक उचाट। पेखिये ताड़का बेढ़ल बाट।।"

2. वैदिक एवं लौकिक भारतीय साहित्य के स्वरुप पर प्रकाश डालते हुए इनकी विशेषताएँ बताइए। (15)

अथवा

तमिल साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

3. कालिदास रचित 'उत्तरमेघ' के भाव-सौंदर्य का विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

'सप्तपर्ण: रामकाव्य का जन्म" के अभिव्यंजना शिल्प की विशेषताएँ बताइए।

4. ललद्यद की कविताओं की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

सुब्रह्मण्यम भारती की कविता 'स्वतंत्रता का गान' राष्ट्रवादी आंदोलन का साक्ष्य है, सिद्ध कीजिए।

5. 'काबुलीवाल' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

'रामविजय' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।